उद्भार गुणक की प्रतिशतता में वृद्धि करने के सम्बन्ध में कोई सुझाव दिए गए हैं; यदि हां, तो उनका ब्यौर क्या है ?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) 1991-92 में जबकि राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम का औसत संयंत्र भार अनुपात (पी०एल० एफ०) 70.15 था तथापि जनवरी, 1992 में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम ने 82.29 का इष्टतम संयंत्र भार अनुपात प्राप्त किया।

राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम के सिंगरौली और रिहन्द सुपर ताप विद्युत केन्द्रों ने 88.50 से अधिक का संयंत्र भार अनुपात प्राप्त किया। सिंगरौली ने 1991 में 91.29 का संयंत्र भार अनुपात तथा रिहन्द ने जनवरी, 1992 में 100.84 का संयंत्र भार अनुपात प्राप्त किया जो किसी एक महीने के अब तक के इनके द्वारा प्राप्त किए गए संयंत्र भार अनुपात में सर्वाधिक है।

(ख) बिजली बोर्डों उपक्रमों के अधिकांश संयंत्रों का वार्षिक संयंत्र भारत अनुपात 20 से अधिक था और 1991-92 के लिए राज्य क्षेत्र (राज्य बिजली बोर्डों) का वार्षिक संयंत्र भार अनुपात 50.6 था।

(ग) 1991-92 के दौरान निम्नलिखित संगठनों का संयंत्र भार अनुपात 40 से कम था :—

संगठन का नाम	संयंत्र भारत अनुपात (%)
1. बिहार राज्य बिजली बोर्ड	21.3
2. उड़ीसा राज्य बिजली बोर्ड	30.2
3. पश्चिम बंगाल राज्य बिजली बोर्ड	30.7
4. असम राज्य बिजली बोर्ड	24.7

(घ) राज्य बिजली बोर्डों के संयंत्र भारत अनुपात में सुधार होने से इनका कार्यकरण भी सुधरेगा। अधिष्ठापित क्षमता का इष्टतम समुपयोजन किए जाने के लिए किए गए उपायों (1) पुराने यूनिटों का नवीकरण एवं आधुनिकीकरण करना; (2) संयंत्र सुधार कार्यक्रमों को हाथ में लेने के लिए बिजली बोर्डों की सहायता करना; (3) अपेक्षित गुणवत्ता वाला पर्याप्त मात्रा में कोयला सप्लाई करना; (4) प्रचालन एवं अनुरक्षण कार्मिकों को प्रशिक्षण देना और (5) पारेषण एवं वितरण प्रणालियों को सशक्त बनाना शामिल है।

Supply of Electricity from Northern Grid to Bihar by NTPC

821. SHRI V. NARAYANASAMY: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to refer to the answer to Unstarred Question- 163 given in the Rajya Sabha on 25th February, 1992 and state whether it is a fact that the NTPC has decided to stop supply of electricity from northern grid to Bihar since arrears of amount have not been paid ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): On 23-3-92, NTPC issued a notice for dis-connection of power supply to Bihar State Electricity Board (BSEB) by 26-4-92, as the BSEB had not honoured the commitments made for payment of dues to NTPC. The arrears payable by BSEB to NTPC as on 31st March 1992 work out to Rs. 264.61 crores amounting to 13.4 months of billing (plus a surcharge of Rs. 77.99 crores). On subsequent assurance of Government of Bihar for regular payment of current bills, for payment of bill for March 1992 along with the bill for April 1992 and for evolving a procedure to clear the arrears in a phased manner, NTPC deferred the proposal for disconnection till May 1992.